

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग [[--कुण्ड 3--उपक्षण्ड ()

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं ० 208]

नई बिल्ली, बृहस्पतिबार, ग्रागस्त 17, 1972/श्रावशा 26, 1894

To. 208]

NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 17, 1972/SRAVANA 26, 1894

इस भाग में भिन्स पुष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Legislative Department)

ORDER

New Delhi, the 17th August 1972

- G.S.B. 375(É).—In exercise of the powers conferred by section 79 of the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 (81 of 1971), the Central Government hereby makes the following Order, namely:—
- 1. (1) This Order may be called the North-Eastern Areas (Reorganisation) (Mizoram and Arunachal Pradesh) (Adaptation of Laws on State and Concurrent Subjects) Order, 1972.
- (2) It shall be deemed to have come into force on the 21st day of January, 1972.
- 2. In its application to the Union territories of Mizoram and Arunachal Pradesh, the Motor Vehicles Act, 1939 (4 of 1939), shall until altered, repealed or amended by a competent Legislature or other competent authority, have effect subject to the edeptations and modifications specified in the Schedule to this Order.

THE SCHEDULE

In the Motor Vehicles Act, 1939 (4 of 1939),---

- (1) after section 29B, the following section shall be inserted, namely:-
 - '29C. Transitional provision regarding assignment of fresh registration mark on account of the reorganisation of Assam.—Where a motor vehicle registered in the State of Assam before the 21st January, 1972, has been assigned a registration mark, which, by reason of the reorganisation of that State under the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 (81 of 1971), has ceased on that day to be in accordance with the Sixth Schedule, then, notwithstanding anything contained in sub-section (1) of section 29, the owner of the vehicle shall, within a period of twelve months from that day, apply to the registering authority within whose jurisdiction the vehicle then is, for the assignment of a new registration mark and shall present the certificate of registration to that registering authority; and thereupon, the other provisions of section 29 shall apply to the vehicle as they apply to a motor vehicle on removal from one State to another State.";
- (2) in the Sixth Schedule, after the entry relating to "Lacendive, Minicoy and Amindivi Islands", the following entries shall be inserted, namely:—

"Mizoram

 $\mathbf{Z}\mathbf{R}$

Arunachal Pradesh

AR"

[No. F.19(1)/72-LL]

K. K. SUNDARAM, Jt. Secv.

विधि और न्याय मंत्रालय (विधायी विभाग)

ग्राहेंश

नई दिल्ली 17 ग्रगस्त, 1972

सारकार्शन 375(श्र).—पूर्वोत्तर क्षेत्र (पुनर्गठन) ग्रिधिनियम, 1971 (1971 का 81) की धारा 79 द्वारा प्रदत्त - शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एनद्द्वारा निम्नलिखित श्रादेश करती है, श्रर्थात् :—

- (1) इस श्रादेश का नाम पूबातार क्षत्र (पुनगठन) (माजाराम तथा श्रक्णाचल प्रदेश) (राज्य श्रौर समवर्ती विषयों पर विधियों का श्रनुकूलीकरण) श्रादेश, 1972 होगा।
 - (2) यह 1972 की जनवरी के 21 वें दिन को प्रवृत्त हुन्ना समझा जाएगा।
- 2. मीजोराम तथा अरुणाचल प्रदेश संघ राज्य क्षेत्रों को उसके लागू होने में मोटर यान अधिनियम, 1939 (1939 का 4) जब तक किसी सक्षम विधान मण्डल या अन्य सक्षम प्राधिकारी द्वारा परिवर्तित, निरिसत या संशोधित न किया गया हो, तब तक इस आदेश की अनुसूची में विनिर्दिष्ट अनुकूलीकरणों और उपान्तरणों के अधीन रहते हुए, प्रभावी होगा।

ग्रनुसूची

मोटर यान प्रधिनियम, 1939 (1939 का 4) में,---

- (1) धारा 29ख के पश्चात् निम्तलिखित धारा ऋतः स्थापित की जायगी, सर्थात ---
 - "29 ग. ग्रसम के पुनर्गठन के कारण नए रिजस्ट्रीकरण जिल्ह देंने के सम्बग्ध में ग्रस्थान्यी उपबन्ध जहां ग्रमम राज्य में 21 जनवरी, 1972 के पूर्व रिजस्टर किए गए किसी मोटर यान को रिजस्ट्रीकरण जिल्ल दिया गया है, जिसका पूर्वोत्तर क्षेत्र (पुनर्गठन) ग्रिधिनियम, 1971 (1971 का 81) के अधीन उस राज्य के पुर्निगठन के कारण उस दिन से छठी ग्रमुसूची के ग्रमुसार होना खत्म हो गया है, वहां धारा 29 की अपधारा (1) में ग्रस्तिविष्ट किसी बात के होते हुए भी, यान का स्वामी, उस दिन से 12 मास की श्रवधि के भीतर, जिसकी श्रधिकारिता के भीतर बहु यान ग्रब है, उस रिजस्ट्रीकर्ता प्राधिकरी को, उसे तथा रिजस्ट्रीकरण जिल्ल देने के लिए ग्रावेदन करेगा ग्रीर उस रिजस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्न प्रस्तुत करेगा; ग्रीर तदुपरि धारा 29 के श्रस्य उपबन्ध, उस यान को वैसे ही लागू होंगे जैस वे एक राज्य से दूसरे राज्य को किसी मोटर यान के स्थानत्वरण पर लागू होंने हैं।"
 - (2) छडी अनुसूची में "लकादीव, मिनिकोय तथा अमीनदीवी द्वीप समूह" से सम्बन्धित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टियां अन्तः स्थापित की जाएंगी, अर्थात्ः—— मीजोराम जैंड आर अरुणाचल प्रदेश ढ आर"।

[सं० फा० 19(1)/72-वि०] के० के० सुन्दरम, संयक्त सचिव ।